लगभग आम सहमति

प्रफुल्ल कोलख्यान

बढ़ती हुई भुखमरी से
निपटने के लिए
आयोग गठित हुआ

आयोग इस बात से
सहमत नहीं कि
भूख पेट से पहले हाँड़ी को लगती है

आयोग इस बात से भी
सहमत नहीं कि
भूख को उपवास कर
नहीं जाना जा सकता है

आयोग सहमत नहीं है

लोगों के बयान कलम बंद हो रहे हैं
सहमति से भूख की नई परिभाषा
अपनी सिद्धांतिकी की पूर्णता के बहुत करीब है

लगभग आम सहमति बन ही गई समझा जाये
सहमति कि भूख-भूख चिल्लानेवालों को
आदमी की पंगत से उठा दिया जाना चाहिए